Syllabus of PGQP60 (xxiv)

Acharya: **Prakrit प्राकृत**

UNIT 1 – प्राकृत भाषा की उत्पत्ति एवं विकास - प्राकृत शब्द का अर्थ, प्राकृत की प्राचीनता, वैदिक या छान्दस में प्राकृत भाषा के तत्त्व, प्राकृत भाषा का विकास, प्राकृत की प्रमुख विशेषताएँ।

UNIT 2 – प्राकृत के भेद-प्रभेद एवं आगम साहित्य परम्परा का परिचय - प्राकृत के भेद प्रभेद, मूल दो भेद - कथ्य एवं साहित्य, प्रथम युगीत प्राकृत, मध्ययुगीन प्राकृत, अर्वाचीन प्राकृत। प्राकृत आगम साहित्य परम्परा का परिचयात्मक अवलोकन - अर्धमागधी आगम साहित्य परिचय, शौरसेनी आगम साहित्य परिचय।

UNIT 3 - प्राकृत व्याकरण परम्परा और विकास - प्राकृत व्याकरण परम्परा का परिचय। प्रमुख प्राकृत व्याकरण एवं उनके रचयिता- चण्डकृत प्राकृत लक्षण, वररूचिविरचित प्राकृत प्रकाश, हेमचन्द्राचार्यकृत सिद्धहेमशब्दानुशासन, मार्कण्डेयकृत प्राकृत सर्वस्व।

UNIT 4 – प्राकृत भाषा की प्राचीनता और शिलालेखीय साहित्य का परिचय - सम्राट अशोक के 14 शिलालेखों का सामान्य परिचय (गिरनार शिलालेख), सम्राट खारवेल के हाथीगुंफा शिलालेख का परिचय एवं अध्ययन, ।

UNIT 5 – प्राकृत काव्य साहित्य की विविध विधाओं का परिचय।

महाकाव्य - महाकवि प्रवरसेनकृत सेतुबंध - महाकवि वाक्पतिराजकृत गउडवहो, हेमचन्द्राचार्यकृत कुमारवालचरियं (द्-याश्रयकाव्य)

खण्डकाव्य- रामपाणिवाद विरचित, कंसवहो एवं उसाणिरुद्ध |

चरितकाव्य - विमलसूरिकृत पउमचरियं, धनेश्वरसूरिकृत-सुरसुंदरीचरियं, लक्ष्मणगणिविरचित- सुपासणाहचरियं ।

चम्पूकाव्य - उद्योतनसूरिकृत कुवलयमालाकहा।

कथाकाव्य - पादलिप्तसूरिकृत- तरंगवइकहा, संघदासगणिविरचित वसुदेवहिण्डी, हरिभद्रसूरिकृत- समराइच्चकहा एवं धुत्ताख्याण।

मुक्तककाव्य - महाकवि हालविरचित गाहासत्तसई, मुनिजयवल्लभसंकलित वज्जालग्गं, जिनेश्वरसूरिसंकलित गाहारयणकोस।

सट्टक - राजशेखर विरचित कर्पूरमंजरी, कवि रुद्रदासकृत चन्द्रलेहा।